हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

9 बंदूक, फरसा, हथौड़ा और तलवार छोड़ेंगी पानी की धार

10 600 मीटर दौड़ में अशोक फौजी प्रथम, सुनील द्वितीय

खबर संक्षेप

महिलाओं को मिलेगा 5 लाख तक का ऋण

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक तौर पर सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को बैंकों के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। योजना के तहत डेयरी व उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल हैं। योजना का लाभ लेने के लिए महिला की वार्षिक आय पांच लाख रुपये से कम व हरियाणा की स्थायी निवासी होनी चाहिए।

जिला और उपमंडल समाधान शिविर आज

झज्जर। सोमवार को जनता की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगाए जाएंगे। जहां नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा। इसमें डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनेंगे।

ड्राफ्ट मतदाता सूचियों का 6 तक करें अवलोकन

झज्जर। रिवाइजिंग अथॉरिटी-कम-एसडीएम अंकित कुमार चौकसे ने बताया कि स्थानीय नगर परिषद के वार्ड संख्या 13 के उप-चुनाव के दृष्टिगत तैयार की गई ड्राफ्ट मतदाता सूचियों का प्रकाशन हो चुका है। यह मतदाता सूची वार्ड संख्या एक से वार्ड 19 तक आमजन के अवलोकन के लिए आगामी छह मार्च तक उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार तैयार की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची को उपायुक्त कार्यालय सहित अन्य संबंधित कार्यालयों में अवलोकन के लिए रखवाया गया है ताकि कोई भी नागरिक इस सूची में अपने नाम व विवरण की अच्छी तरह जांच कर सकें।

अवैध हथियार सहित पकड़ा गया आरोपी

झज्जर। एंटी नारकोटिक सेल की एक टीम द्वारा शहर थाना क्षेत्र से अवैध पिस्तौल और कारतूस सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सेल प्रभारी निरीक्षक दिनकर यादव ने बताया कि एएसआई सोहन कुमार की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जतिन नामक युवक सर्विस रोड बाईपास के पास दादरी रोड क्षेत्र में अवैध हथियार के साथ खड़ा हुआ है। उसके कब्जे से अवैध पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए। आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

छारा में कई खेतों से सोलर पैनल व तार चोरी

बहादुरगढ़। खेतों में मौजूद सोलर पैनल व तांबे की तार चोरों के निशाने पर हैं। आए दिन कहीं न कहीं वारदात हो रही है। अब गांव छारा में दर्जनभर किसानों के खेतों में चोरी हुई है। छारा के निवासी रमेश, अनिल, मुकेश, दयाचंद, वीरेंद्र, रणबीर, विजयपाल, खुशीराम, वीरेंद्र, दीपक, धीरे आदि किसानों के खेत से चोरों ने सोलर प्लेट चोरी कर ली। इतना ही नहीं तांबे की बिजली की तार भी काट ली। जब किसान अपने खेत में आए तो वारदात का पता चला। मांडोठी चौकी पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की।

दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के चुनाव में दोनों पैनल के बीच रहा कड़ा मुकाबला

प्रदीप लड़रावण उप-प्रधान व साहब सिंह महासचिव चुने गए, दूसरे पैनल से गुलाब छिकारा कोषाध्यक्ष तथा प्रवीण छिल्लर सह-सचिव बने

बिजेंद्र जून ने दलाल को एक वोट से हराकर जीती प्रधानी की जंग

- सोसायटी की कार्यकारिणी पिछली बार 23 मई 2015 को गठित हुई थी

49 वोट प्रधान पद के लिए बिजेंद्र जून को मिले, जबकि बिजेंद्र दलाल को 48 वोट हासिल हुए। उप-प्रधान पद के लिए प्रदीप लड़रावण को 49 और धर्मपाल खत्री को 47 वोट मिले। वे दो मत से विजयी हुए।

57 वोट महासचिव के पद पर साहब सिंह दलाल को मिले और सुरेंद्र कुमार को 39 वोट प्राप्त हुए। वे सबसे ज्यादा 18 वोट से जीते। कोषाध्यक्ष के पद पर गुलाब छिकारा को 49 और इंद्र राठी को 48 वोट मिले।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गए। दोनों पैनलों के बीच कांटे का मुकाबला रहा। चुनाव परिणामों में बिजेंद्र जून (काला) ने बिजेंद्र दलाल को बेहद नजदीकी मुकाबले में एक वोट से हराते हुए प्रधान पद पर जीत हासिल की। उनके पैनल से प्रदीप लड़रावण उप-प्रधान और साहब सिंह दलाल महासचिव पद पर चुने गए। जबकि बिजेंद्र दलाल पैनल के गुलाब छिकारा कोषाध्यक्ष तथा प्रवीण छिल्लर सह-सचिव बने हैं।

प्रधान पद के लिए बिजेंद्र जून को 49 तथा बिजेंद्र दलाल 48 को वोट हासिल हुए। उप-प्रधान पद के लिए प्रदीप लड़रावण को 49 और धर्मपाल खत्री को 47 वोट मिले। महासचिव के पद पर साहब सिंह दलाल को 57 और सुरेंद्र कुमार को 39 वोट प्राप्त हुए। कोषाध्यक्ष के पद पर गुलाब छिकारा को 49 और इंद्र राठी को 48 वोट मिले। सह-सचिव पद पर प्रवीण छिल्लर को 53 तथा राजेंद्र दलाल को 44 वोट हासिल हुए। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आनंद कुमार, आनंद, आनंद सिंह, कुलवीर सिंह, जयइंद्र सिंह, दलजीत दलाल, बिजेंद्र सिंह, नारायण सिंह, महावीर राठी, राजेश दलाल, राजेन्द्र सिंह, रामधन सिंह, संदीप हुड्डा, हुक्म चंद, हरि ओम व श्रीओम सांगवान को चुना गया।

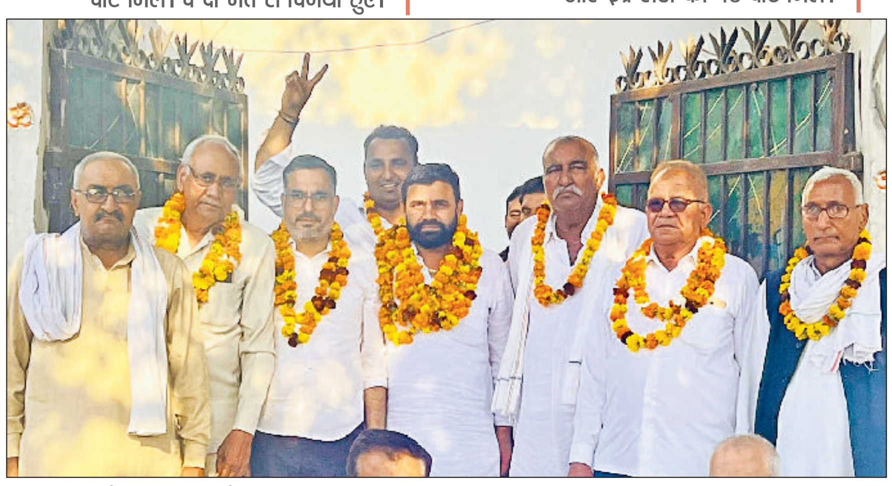

बहादुरगढ़। जीत के बाद विजयी चिह्न बनाते प्रधान, उपप्रधान व महासचिव।

बहादुरगढ़। मतदान के दौरान बैलेट हासिल करते सोसायटी सदस्य।

92 कॉलेजियम व 5 संस्थापक सदस्यों ने डाले वोट

निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम ने मतगणना उपरांत विजेताओं की घोषणा के साथ प्रमाण पत्र भी दे दिए। बता दें कि संस्था के 13 संस्थापक सदस्यों के साथ ही 92 कॉलेजियम सदस्यों को पदाधिकारियों समेत कार्यकारिणी चुनने के लिए मतदान करना था। संस्थापक सदस्यों में से 8 का निधन हो चुका है। ऐसे में रविवार को 97 वोट डाले गए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही विजेता पदाधिकारियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और विजयी प्रत्याशियों का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के हित में मिलजुल कर कार्य करने और धर्मशाला के विकास को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। दरअसल, सोसायटी की कार्यकारिणी पिछली बार 23 मई 2015 को गठित हुई थी।

सहसचिव प्रवीण छिल्लर

करंट की चपेट में आने से डीटीसी बस चालक की मौत

- बिजली के तारों में उलझी डोर को झाड़ू से नीचे गिराने का प्रयास कर रहा था

झज्जर। क्षेत्र के गांव बाबरा में करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 36 वर्षीय शिव कुमार पुत्र भीम के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया कि जब शिव कुमार छत के साइड से गुजरती बिजली के तारों में उलझी डोर को एक झाड़ू से नीचे गिराने का प्रयास कर रहा था उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। इसके बाद परिजन उसे गंभीर अवस्था में स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी ली तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भिजवाया। यहां परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार शिव कुमार डीटीसी में बस चालक के रूप में कार्यरत था और अवकाश होने के कारण घर पर था। वह एक पुत्र व दो पुत्रियों का पिता था।

सीआईए रोहतक व बदमाशों की गाड़ी में टक्कर, आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को बदमाशों का पीछा कर रही सीआईए रोहतक और बदमाशों की गाड़ी शहर के झज्जर ग्वालिसन मार्ग पर आपस में टकरा गई। इसके चलते जहां बदमाश मौके से फरार हो गए, वहीं पुलिस की निजी गाड़ी लॉक हो गई। पुलिसकर्मी जब तक बाहर निकलते बदमाश मौके से फरार हो गए। सूत्रों के अनुसार घटना में किसी को भी चोटें नहीं आई हैं। इसी दौरान किसी ने एक्सीडेंट देखकर डायल 112 पर कॉल कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक गाड़ी में रोहतक में हुए सत्यवान हत्याकांड में शामिल आरोपी थे।

पालतू कुत्ते को खुला छोड़ने पर टोका तो परिवार को लाठी और डंडों से पीटा

- पड़ोसी परिवार के आधा दर्जन लोगों ने बोला हमला, दो महिलाओं समेत 4 को आई चोटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गली में पालतू कुत्ता खुला छोड़ने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े में लाठी व डंडे चल गए और कई लोगों को चोट आई। घायलों की शिकायत पर आरोपी पक्ष के खिलाफ सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में सोलधा निवासी ओमप्रकाश ने कहा कि रात को वह अपने घर पर था। इसी दौरान पड़ोसी परिवार के करीब आधा दर्जन लोग आए। आते ही लाठी व डंडों से मुझ पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने के लिए मेरा भाई, पत्नी व भाभी आए तो उन पर भी वार किए गए। हमें काफी चोट आई। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। हमने डायल 112 पर कॉल की लेकिन पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद नागरिक अस्पताल में पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रेफर कर दिए गए। दरअसल, आरोपी पक्ष के घर में एक पालतू कुत्ता है। उसे वे गली में खुला छोड़ देते हैं। वह कुत्ता हमारे परिवार के बच्चों को काटने के लिए दौड़ता है। हम उनको कुत्ता बांधकर रखने के लिए कहते हैं। इसी बात पर उन्होंने हमला कर दिया।

केएमपी टोल पर किसान जागृति यात्रा का स्वागत

एमएसपी गारंटी को कानूनी रूप जल्द दें : जगजीत सिंह

बहादुरगढ़। यात्रा के तहत केएमपी टोल पर पहुंचे एसकेएम के किसान नेता।

- सात फरवरी को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और जम्मू कश्मीर तक जाएगी यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़ी भारतीय किसान यूनियन पंजाब के प्रधान जगजीत सिंह की अगुवाई में निकाली जा रही किसान जागृति यात्रा शनिवार को आसौदा स्थित केएमपी टोल प्लाजा के पास पहुंची। यहां पहुंचने पर यात्रा और किसान नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया।

यात्रा सात फरवरी को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और जम्मू कश्मीर तक जाएगी। आसौदा पहुंचने पर अनिल प्रधान, अनूप दलाल जाखोदा, संदीप, परम पहलवान और देवेंद्र सहित अन्य ने यात्रा का स्वागत किया। अन्य किसानों ने यात्रा का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। यात्रा में पंजाब से जगजीत सिंह ढंढेवाल, तमिलनाडु से पीआर पांडियन, राजस्थान से इंद्रजीत, एमपी से अरुण पटेल, यूपी से सोमबीर, सोनीपत हरियाणा से अभिमन्यु कोहाड़, संतोष नागर, हरदीप गिल, कश्मीर से हरदीप आदि शामिल हैं। इस अवसर पर किसान नेता जगजीत सिंह ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य एमएसपी की गारंटी को कानूनी रूप देना तथा किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ देशभर में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इसके बाद किसान जागृति यात्रा पलवल और मेवात की ओर रवाना हो गई।

ट्रैक्टर के नीचे आने से व्यक्ति की मौत

- उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण जोगिंद्र ट्रैक्टर से अचानक उछलकर नीचे आ गिरा और उसकी जान चली गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव मारौत में एक ट्रैक्टर के नीचे आने के कारण व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव गिरधरपुर निवासी करीब 43 वर्षीय जोगिंद्र पुत्र रामचंद्र के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि जोगिंद्र अविवाहित था तथा दिहाड़ी मजदूरी करता था। वह शनिवार की शाम मारौत गांव में काम करने गया था। जब रात करीब साढ़े बारह बजे खेत का काम निपटाने के बाद वे ट्रैक्टर पर घर लौट रहे थे कि उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण अचानक जोगिंद्र उछल कर नीचे आ गिरा और ट्रैक्टर का पिछला टायर उसके ऊपर चढ़ गया। इस कारण जोगिंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह पहुंचाया। यहां मृतक की बहन के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कार की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

बहादुरगढ़। आसौदा मोड़ पर कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में आरोपी कार चालक के खिलाफ आसौदा थाने में केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान गांव जसोर के करीब 55 वर्षीय रविदत्त के रूप में हुई है। वह यहां अनाजमंडी स्थित एक दुकान पर बतौर सेल्समैन कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात को वह ड्यूटी खत्म होने के बाद घर जा रहे थे। आसौदा मोड़ के निकट एक कार की चपेट में आ गए। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई। अस्पताल ले जाया गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पाकर आसौदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हादसे के लिए परिजनों ने आरोपी कार चालक को जिम्मेदार ठहराया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गाड़ी का नंबर पुलिस को मिल गया है।

बादली में युवक की गर्दन पर तेजधार हथियार से हमला

बहादुरगढ़। बादली में जान से मारने की नीयत से एक युवक की गर्दन पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक एक निजी अस्पताल में भर्ती है। गांव के ही दो लोगों पर झगड़े की रंजिश में हमला करने का आरोप है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वारदात बादली निवासी सोमबीर के साथ हुई है। सोमबीर डीटीसी क्लस्टर में कार्यरत है। पुलिस को दी शिकायत में बादली निवासी राजेश का कहना है कि दो दिन पहले पड़ोसी राजबीर हमारे परिवार के साथ गाली गलौज कर रहा था। इसके बाद हमारा मौखिक तौर पर समझौता हो गया। शनिवार रात करीब 10 बजे मैं और मेरा भाई सोमबीर गली में खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे, तभी वहां पर राजबीर और अनिल आ गए। वे फिर झगड़ा करने लगे। राजबीर ने मेरे भाई सोमबीर को पीछे से पकड़ लिया और अनिल उर्फ ढाबा ने तेज हथियार से उसकी गर्दन पर वार किया। मेरा भाई निढाल होकर गिर गया। उसका बादली के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भक्ति | बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर में 53वें वार्षिकोत्सव की तैयारियां जोरों पर, चार मार्च को संत सम्मेलन भी होगा

बाबा की समाधि पर पहले चढ़ाते थे हाथ के पंखे, अब एसी व कूलर

- दुल्हेंडी के दिन लगता है विशाल मेला, मनोकामनाएं पूरी होने की है श्रद्धालुओं की मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी महाराज के 53वें वार्षिकोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। मंदिर परिसर सजकर तैयार है। बाहर से आने वाले साधु संतों के लिए गोशाला और अन्य स्थानों पर ठहरने की व्यवस्था की गई है। दूर दराज क्षेत्रों से साधु संतों का आना शुरू हो चुका है। इसके चलते पूरे माता गेट क्षेत्र में माहौल भक्तिमय बना हुआ है। चार मार्च से विराट संत सम्मेलन शुरू होगा। चार मार्च को दुल्हेंडी पर्व पर बाबा की समाधि पर पंखे चढ़ाए जाएंगे। वीरवार को आचार्य वेदपाठी पंडित रामनिवास पाठक कांशी और पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री द्वारा हवन कराया जाएगा। वहीं सायं के समय सत्संग का आयोजन किया जाएगा। शनिवार सात मार्च को विशाल समष्टि भंडारे के साथ समापन किया जाएगा। वहीं, समय के साथ सामधि पर पंखे चढ़ाने की परंपरा में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां हाथ से बने पंखे चढ़ाए जाते थे, वहीं अब एसी व कूलर भी चढ़ाए जाते हैं।

झज्जर। श्री प्राचीन गोशाला में विश्राम करते हुए वार्षिकोत्सव में पहुंचे संत।

दूर-दूर के राज्यों से आते हैं भक्त

माता गेट क्षेत्र में स्थित बाबा प्रसाद गिरी महाराज का मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है। शहर के अलावा दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, पूना, यूपी, राजस्थान, गुजरात सहित दूरदराज क्षेत्रों से श्रद्धालु बाबा के मंदिर में मात्था टेकने आते हैं। हालांकि प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग बाबा की पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं, लेकिन सोमवार बाबा का विशेष वार है। इस दिन अन्य दिनों की अपेक्षा श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहती है। प्रतिवर्ष फाग के दिन विशाल मेला लगता है। बाबा के मंदिर में पंखे चढ़ाने अनूठी परपंरा है। पहले लोग हाथ से निर्मित पंखे चढ़ाते थे, लेकिन बदलते समय के साथ अब लोग बिजली के पंखे, कूलर व एसी चढ़ाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। सच्चे मन से बाबा की समाधि पर मांगी गई मन्नत अवश्य पूरी होती है। बाबा के मंदिर का इतिहास चार सौ वर्षों से भी अधिक पुराना है। बाबा के मंदिर को नगर खेड़ा के नाम से भी जाना जाता है।

मान्यता : भक्त के पति को कर दिया था जिंदा

प्राचीन कथा के अनुसार बिमला नाम की महिला बाबा प्रसाद गिरी महाराज की परम भक्त थी। एक दिन बिमला के पति की अचानक मृत्यु हो गयी। तब बिमला ने बाबा के चरणों में रोते हुए कहा कि बाबा मेरा तो सब कुछ समाप्त हो गया है। आज मेरे पति की मृत्यु हो गई है। तब बाबा ने बिमला से कहा बेटी रो मत जब तेरे पति की शव यात्रा अंतिम संस्कार के लिए निकले तब मेरे पास लेकर आना। तब बिमला ने ऐसा ही किया। जब उस मृतक शरीर को बिमला के परिजन मंदिर में लेकर आए तब बाबा प्रसाद गिरी जी महाराज ने अपने प्राण उस मृतक शरीर में डाल कर स्वयं समाधि ले ली। जिसके बाद बिमला का पति जीवित हो गया और लोगों की आस्था मंदिर के प्रति और अधिक बढ़ गई। बाबा ने जिस स्थान पर अपनी समाधि ली उसी स्थान पर भक्तों ने बाबा का भव्य मंदिर बनवाया है।

अबीर-गुलाल

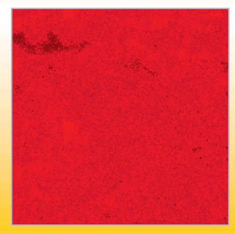

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नजर' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्ज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल

का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुढ्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया
जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | सविता गर्ग सावी

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा ना इब
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले पै
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | दलबीर सिंह फूल

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैंरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे. होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंच्ची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुरणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुऱा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेद्दार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'
तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुऱा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?"दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"
शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।
तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

होली : बदलते समय के साथ बदले पिचकारी के भी स्वरूप

बंदूक, फरसा, हथौड़ा और तलवार छोड़ेगी पानी की धार

रंग-बिरंगे त्योहार की तैयारियों में बाजार में भी जगह-जगह पिचकारी व गुलाल की दुकानें सजीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रंगों के उत्सव होली को लेकर बाजार में धूम है। इस रंग-बिरंगे त्योहार की तैयारियों में बाजार में भी जगह-जगह पिचकारी व गुलाल आदि की दुकानें सज चुकी हैं। पहले के वर्षों में जहां बच्चों की पहली पसंद माने जाने वाली डोरीमोन, छोटा भीम, बंदूक, वाटर टैंक व लाइटिंग वाली मौजूद थीं वहीं अब पिचकारियों का स्वरूप भी बदल रहा है। बाजार में हथियारनुमा पिचकारी युवाओं को पंसद आ रही है। इन पिचकारियों में डोगा बंदूक, हथौड़ा, तलवार, दुलानी, गदा व फरसानुमा पिचकारी शामिल हैं। बीकानेर चौक पर पिचकारी बेचने वाले रोबिन ने बताया कि उनके पास पचास रुपये से लेकर ढाई सौ रुपये तक की पिचकारियां विभिन्न डिजाइनों में हैं। वे वाटर टैंक, बंदूक व साधारण पिचकारी के अलावा घरेलू उपकरण जैसे बेलन, हथौड़ा, डोगा, कुल्हाड़ी के साथ बंदूक, फरसा, गदा आदि आकृति वाली पिचकारियां लाए हैं जो ग्राहकों को पसंद आ रही हैं। इसके अलावा विभिन्न आकृतियों वाले मुखौटे व टोपी भी चालीस व पचास रुपये की कीमत में बेची जा रही है। इसी प्रकार दुकानदार किशन तनेजा ने बताया कि उनके यहां होली पूजा के दौरान बच्चों को पहनाए जाने वाले बिस्किट व चॉकलेट के हार तथा विभिन्न रंगों वाले गुलाल के पैकेट बीस से पचास रुपये तक की कीमत में उपलब्ध है।

झज्जर। बस स्टैंड रोड पर सजी पिचकारियों की दुकान से खरीददारी करते हुए लोग।

झज्जर। बीकानेर चौक पर मुखौटे लगाकर हथियारनुमा पिचकारी दिखाते युवा।

युवा वर्ग भूलता जा रहा प्राचीन संस्कृति व परंपराए

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में होली जैसे रंगोत्सव पर मनाई जाने वाली प्राचीन परंपराएं सिकुड रही हैं। आजकल मनाए जाने वाले त्यौहारों ने धार्मिक अनुष्ठानों से दूर होकर दिखावे व हुड़दंग का रूप ले लिया है। बुजुर्ग महिला शकुतंला देवी ने बताया कि दशकों पहले जहां होली पर्व को लेकर लोग एक माह पहले से ही तैयारी शुरू कर देते थे वहीं अब होलिका दहन व दुल्हेड़ी का फाग महज एक-दूसरे को रंग लगाने तक सिमट कर रह गया है। बदलते परिवेश में सभी कुछ संकुचित हो गया है। होली आगमन पर जहां एक माह पहले डांडा (भक्त प्रह्लाद के रूप में होली के बीच रखा जाना वाला डंडा, जिसे होलिका दहन के समय लोगों द्वारा आग की लपटों से बचाते हुए बाहर निकाल लिया जाता था) गाड़ा जाता था तथा बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्गों तक में होली का उत्साह रहता था। वह चाव अब धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

कोस्टल स्प्रिंट रोइंग नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा ने जीता सिल्वर मेडल

■ नेशनल के आधार पर आगामी एशियाई चैंपियनशिप और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पहली कोस्टल स्प्रिंट रोइंग नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। दुष्यंत और सविता की जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल के साथ सिल्वर मेडल पर जीत हासिल की। नेशनल के आधार पर आगामी एशियाई चैंपियनशिप और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन होगा। दुष्यंत 15 साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोइंग खेल रहा है और सिंगल इवेंट में 2 बार एशियन गेम्स में मेडल जीत चुका है। सविता भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रही है। हरियाणा रोइंग सेक्रेटरी कमला दलाल ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की तरफ से खेल मंत्री गौरव गौतम से मिल कर खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी।

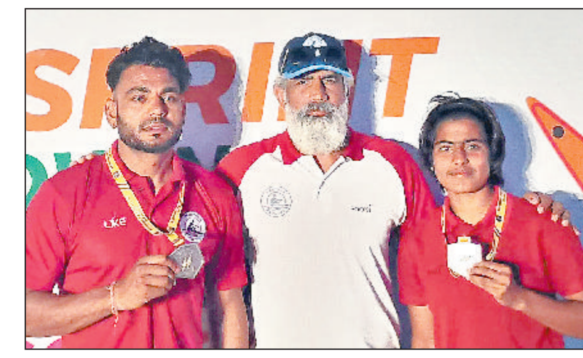

झज्जर। मेडल दिखाते हुए होनहार खिलाड़ी दुष्यंत व सविता। फोटो : हरिभूमि

दो किलो चूरापोस्त सहित पकड़े आरोपी चार दिन के पुलिस रिमांड पर

झज्जर। एसटीएफ की एक टीम द्वारा थाना दुजाना क्षेत्र से दो किलो दस ग्राम चूरा पोस्त सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ प्रभारी उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली कि नवीन निवासी एमपी माजरा और विपिन निवासी फोर्टपुरा बरानी जिला झज्जर अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने का कार्य करते हैं। दोनों आरोपी खातीवास से जहाजगढ़ मार्ग पर बंद पड़ी फैक्ट्री के पास खड़े होकर नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में है। कार्रवाई करते हुए एएसआई संजय कुमार की टीम मौके पर पहुंची और दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों की नियमानुसार तलाशी लेने पर नशीला पदार्थ चूरा पोस्त बरामद हुआ। जिसका वजन करने पर दो किलो दस ग्राम पाया गया। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को पूछताछ के लिए चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

विद्यार्थियों को दी संस्कृत व फ्रेंच भाषा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

जीडी गोयंका स्कूल द्वारा कक्षा चौथी के विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के लिए संस्कृत तथा फ्रेंच विषयों को लेकर एक विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय निदेशिका शैलजा जून के मार्गदर्शन में हुए इस ओरिएंटेशन का उद्देश्य आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए तृतीय भाषा के महत्व, उसकी उपयोगिता तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में उसकी भूमिका के बारे में अभिभावकों को अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्या द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नई भाषाएं सीखना केवल विषय ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, संचार कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण को भी विकसित करता है। इस अवसर पर फ्रेंच तथा संस्कृत रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहे। फ्रेंच रिसोर्स पर्सन ने फ्रेंच भाषा के अंतरराष्ट्रीय महत्व, उच्चारण शैली तथा करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। वहीं संस्कृत रिसोर्स पर्सन ने संस्कृत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिकता और भारतीय ज्ञान परंपरा में उसके महत्व को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा विषय चयन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

बी-वन विभागीय परीक्षा में 129 जवानों में से 47 जवान हुए उत्तीर्ण

■ पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया

झज्जर। पुलिस विभाग में सिपाही से मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नति के लिए आयोजित की जाने वाली विभागीय बी-वन परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा पुलिस कर्मचारियों के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जाती है। प्रवक्ता ने बताया कि बी-1 परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद संबंधित जवानों को मधुबन में विशेष प्रशिक्षण एवं परीक्षण के लिए भेजा जाता है। प्रशिक्षण और परीक्षण पूर्ण करने के पश्चात ही उन्हें मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत किया जाता है। गंगा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में जिले से महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों सहित कुल 129 जवानों ने भाग लिया। परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। इनमें से 47 कर्मचारियों ने परीक्षा पास कर सफलता प्राप्त की। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि परीक्षा निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा, विजय प्रताप कमांडेंट थर्ड बटालियन आईआरबी सुनारिया, एसीपी अनिरुद्ध चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

झज्जर। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त फिर भी शहर नहीं हुआ साफ

■ सफाई कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर किया था कार्य बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वेतन न मिलने के विरोध में ठेके के अधीन कार्यरत सफाई कर्मचारियों द्वारा की गई दो दिवसीय हड़ताल भले ही समाप्त हो गई हो, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था अभी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाई है। हड़ताल के कारण शहर के कई हिस्सों में गंदगी के ढेर सड़ रहे हैं, जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। दरअसल, शुक्रवार और शनिवार को सफाई कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार किया था। इस दौरान न तो नियमित सफाई हो सकी और न ही कचरे का उठान हो पाया। परिणामस्वरूप चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों पर कचरे के ढेर लग गए। रविवार शाम को भी गांधी चौक और सुभाष चौक सहित कई अन्य चौकों पर गंदगी के ढेर देखे गए। बाजारों और आवासीय कॉलोनियों की गलियों में भी कचरा फैला हुआ है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि हड़ताल समाप्त होने के बाद कर्मचारियों ने दोबारा काम शुरू कर दिया है, लेकिन दो दिन का जमा कचरा हटाने में समय लग सकता है। शहरवासियों ने नगर परिषद से जल्द से जल्द विशेष सफाई अभियान चलाकर व्यवस्था सामान्य करने की मांग की है, ताकि शहर को गंदगी और बीमारियों के खतरे से बचाया जा सके।

बहादुरगढ़। रविवार को गांधी चौक पर लगे गंदगी के ढेर। फोटो :हरिभूमि

सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता फैलाएं छात्राएं : नगराधीश

■ वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में युवा रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में पांच दिवसीय जिला स्तरीय युवा रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया। समापन समारोह में नगराधीश नमिता कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संस्था के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। नमिता कुमारी ने दहेज, नशा और अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने दहेज प्रथा को सामाजिक अभिशाप बताया। खंड समन्वयक जयशंकर ने आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। दोपहर के सत्र में प्राथमिक उपचार एवं सुरक्षित परिवहन का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जगन्नाथ विश्वविद्यालय की टीम प्रथम, मेजबान महाविद्यालय द्वितीय और गीतम तृतीय स्थान पर रहा। बेस्ट यूथ पुरुष वर्ग में झज्जर के मिर्जा अयान अक्तर सियास्ते और दूबलधन के हितेश को सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में वैश्य कन्या कॉलेज की चंचल, आईपी कॉलेज फॉर वुमेन झज्जर की सिया, संस्कारम की जिया और मेजबान कॉलेन की दीपिका को श्रेष्ठ प्रतिभागी चुना गया। पुरुष वर्ग में बेस्ट काउंसलर का सम्मान अमित कुमार तथा महिला वर्ग में डॉ. अंकिता सैनी को प्रदान किया गया। दिव्या बंसल को उत्कृष्ट समन्वय के लिए विशेष सम्मान मिला। नीतू जैन, प्रीत कमल, डॉ. अनु, रेखा, आरती और नवीन को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ध्वज अवतरण के साथ शिविर का समापन हुआ। आयोजन में सहायक सचिव पवन कुमार, कंचन, दीपक, विनय कुमार, तरुण, ज्योति और सुषमा सहित पूरी टीम का योगदान रहा।

शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के सिद्धांत व उद्देश्य बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन शिक्षाविद् डॉ. आशु जैन ने किया। निदेशका संगीता वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नई पाठ्यचर्या रूपरेखा विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के मूल सिद्धांतों, उद्देश्यों तथा क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराना था। डॉ. आशु जैन ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण, कौशल-आधारित शिक्षा, समग्र विकास, अनुभवात्मक अधिगम, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन तथा 5+3+3+4 संरचना जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है। उपनिदेशिका सुमित्रा महला व प्रिंसिपल अनिल कुमार ने डॉ. आशु जैन का आभार जताया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि व स्कूल पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

रॉबिन हुड आर्मी ने आश्रम में दी राशन सामग्री

बहादुरगढ़। राशन सामग्री लेकर संस्थान में पहुंचे रॉबिन हुड आर्मी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। रविवार को रॉबिन हुड आर्मी की टीम ने जन सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम का दौरा किया। उन्होंने वहां रह रहे लगभग 80 लोगों के लिए राशन सामग्री दान की। आर्मी ने 55 किलो आटा, 30 किलो चावल, 30 किलो मूंग दाल, 5 किलो चना दाल, 25 किलो सरसों का तेल, 50 किलो चीनी तथा अढाई किलो मसाले दान किए। रॉबिन हुड आर्मी के इस सेवा अभियान में रविंद्र शर्मा, हरि प्रकाश, अरुण पाहुजा, डॉ. गीता दहिया, गीता सतीजा, राकेश दुहन, विनय नागपाल, डॉ. कांता, भूषण अरोड़ा, वैभव, अनीश सतीजा व चिराग ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बता दें कि आश्रम में रहने वाले अधिकांश बुजुर्ग मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बीमार हैं, जिन्हें नियमित रूप से भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवश्यकता रहती है। संस्थान की देखरेख में जुटे अमित ने बताया कि सड़क पर लावारिस अवस्था या अत्यंत खराब परिस्थिति में कोई जरूरतमंद व्यक्ति मिले तो आश्रम के मोबाइल नंबर 8307649262 पर संपर्क किया जा सकता है। उनकी टीम ऐसे व्यक्तियों को आश्रम तक लाकर आवश्यक देखभाल प्रदान करेगी।

निरंजन अखाड़ा हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती ने युवाओं का किया आह्वान

सुंदरकांड पाठ में दी नशा मुक्ति व स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा

प्रभु श्रीराम के नाम के साथ ही हर एक का कल्याण है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। राघवेंद्र संकल्प यात्रा के अंतर्गत आयोजित इस सुंदरकांड पाठ में कथा वाचक के रूप में स्वामी शंकरानंद महाराज ने शिरकत की। निरंजन अखाड़ा हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती महाराज के सानिध्य में कथा वाचक शंकरानन्द महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि हर इंसान को अपना जीवन प्रभु की भक्ति और सत्संग में लगाना चाहिए। हमें हमेशा प्रभु राम के नाम के साथ जीवन व्यतीत करना चाहिए। यही हमें जीवन की सभी समस्याओं से दूर करता हैं। प्रभु श्रीराम के नाम के साथ ही हर एक का कल्याण हैं। जहां प्रभु का नाम होता हैं, वहां आनंद की प्राप्ति होती हैं। हनुमान जी ने श्रीराम नाम के साथ ही लंका का दहन कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रभु के नाम के साथ समुद्र में पत्थर तैरने लगे। हमें प्रभु को पाने के लिए भक्ति करनी चाहिए। महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती ने लोगों को नशा मुक्ति विषय पर जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वे नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ हरियाणा में कार्यक्रमों का आयोजन कर रह रहे हैं। राघवेंद्र संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त भारत व स्वदेशी अपनाओं देश बचाओ जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर जन जागरुकता फैलाना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

झज्जर। स्वामी राघवेंद्र भारती महाराज का स्वागत करते हुए बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर के महंत पर मानंदगिरी। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर महंत परमानंद गिरी महाराज, मृत्युंजय गिरी महाराज, पंडित नरेंद्र, जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना, नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी, केशव सिंघल, मनीष बंसल, प्रमोद बंसल, बिल्लू धींगड़ा, एडवोकेट पंकज शर्मा, सुनील यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर पर पर्याप्त बजट आवंटन दे सरकार : दीपेंद्र हुड्डा

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा।

झज्जर। रविवार को रोहतक लोकसभा क्षेत्र से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हरियाणा को विकास की पटरी से उतार दिया गया है। उन्होंने मेट्रो का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय पूरे हरियाणा में 81 किलोमीटर मेट्रो बनी और चार शहर गुरुग्राम, बहादुरगढ़, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ मेट्रो से जुड़े। बीजेपी के 12 साल में मेट्रो का एक खंबा भी नहीं बना। रिकार्ड बेरोजगारी, ध्वस्त कानून-व्यवस्था के चलते आज हरियाणा में हर वर्ग परेशान है। अपराध इस कदर बढ़ चुके हैं कि चारों तरफ फिरौतियों के कॉल आ रहे हैं। किसानों को एमएसपी नहीं मिली, फसल खराबे का मुआवजा नहीं मिला, गरीब आदमी को 100-100 गज प्लॉट की योजना खत्म कर दी। अब मनरेगा को समाप्त कर दिया। खेल स्टेडियम का बुरा हाल है, प्रैक्टिस करते हुए खिलाड़ियों की जान चली जा रही है। बीजेपी सरकार ने अपने किए हुए वादे भी पूरे नहीं किए। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश को विकास की पटरी पर वापस लाने के प्रयास करे और खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर पर पर्याप्त बजट आवंटन दे। इस दौरान बादली से विधायक कुलदीप वत्स सहित अन्य भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

स्कूल में 33 बसों का किया निरीक्षण

बहादुरगढ़। यातायात पुलिस ने जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में 33 स्कूल बसों का सघन निरीक्षण किया गया। यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार की टीम ने बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र, तकनीकी स्थिति, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरे और आपातकालीन निकास द्वार की विस्तार से जांच की। निरीक्षण के दौरान स्कूल प्रबंधन, चालकों और परिचालकों को स्कूल वाहन नीति के नियमों की जानकारी देते हुए गति सीमा का पालन करने, बस स्टॉप पर सतर्कता बरतने तथा बच्चों को सुरक्षित ढंग से चढ़ने-उतारने के निर्देश दिए गए। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करने की हिदायत भी दी गई।

विद्यार्थियों को दी राहवीर योजना की जानकारी

बहादुरगढ़। आसौदा स्थित सेंट मोरिया स्कूल का सूरज वाटिका में वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में थाना यातायात प्रभारी सतीश कुमार ने अभिभावकों और छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार का वाहन न दें। कहीं भी सड़क दुर्घटना होने पर तुरंत 112 नंबर पर कॉल करें और घायलों की सहायता कर पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने राहवीर योजना के तहत मिलने वाले 25 हजार रुपये के प्रोत्साहन राशि की जानकारी दी, जिसे एक व्यक्ति एक माह में पांच बार तक प्राप्त कर सकता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध पर कोबी ने जताई चिंता

बहादुरगढ़। कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चल रही लड़ाई होने से उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव पर चिंता जताई है। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग के अनुसार सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा सुरक्षा पर होगा। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से पेट्रोल-डीजल और अन्य उत्पाद महंगे हो सकते हैं। डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये की कीमत गिर सकती है। वैश्विक आर्थिक मंदी का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

सुरा वाले मंदिर ग्राउंड में ग्राम स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

600 मीटर दौड़ में अशोक फौजी प्रथम

महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लेकर फिट रहने का संदेश दिया। महिला वर्ग की मटका दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव के सुरा वाले मंदिर ग्राउंड में ग्राम स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लेकर फिट रहने का संदेश दिया। महिला वर्ग की मटका दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में वाशिंग मशीन, द्वितीय पुरस्कार कूलर तथा तृतीय पुरस्कार मिक्सी ग्राइंडर प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 1100-1100 की प्रोत्साहन राशि भी दी गई। पुरस्कार वितरण समारोह में अविष दलाल व नगर पालिका बेरी के वाइस चेयरमैन संदीप सहित उनकी टीम ने विजेताओं को सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में शिव मंदिर कमेटी के सदस्यों और ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

प्रतियोगिता की 600 मीटर दौड़ में अशोक फौजी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान सुनील आर्य ने हासिल किया। इस अवसर पर सुनील आर्य ने युवाओं को नियमित व्यायाम, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने गांव में पौधारोपण अभियान को आगे बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर संदीप, जसवीर, बृजेश, वीरेंद्र, टिंकू पंडित, अभिषेक, रोहताश कोच, भीम पहलवान, प्रमोद, अमित, सुखबीर, राजेश, मनोज, कश्मीरी, पप्पू, फूल कुमार, सूरजे, अमित ठेकेदार सहित अन्य मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। प्रथम पुरस्कार के साथ विजेता व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। छात्रवृत्ति एवं दाखिला परीक्षा देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीकेडी स्कूल में 583 बच्चों ने दी छात्रवृत्ति व दाखिला परीक्षा

झज्जर। बीकेडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास द्वारा विभिन्न गांवों में द्वितीय चरण की छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। छात्रवृत्ति व दाखिला परीक्षा में बिठला, ढाकला, साल्हावास व ढाणी साल्हावास आदि गांवों से 583 बच्चों ने भाग लिया। संस्थान निदेशक जितेंद्र रोहिल्ला ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का परीक्षा देने पहुंचना संस्थान के शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी रहने की पहचान है। रविवार को प्रथम चरण की परीक्षा में 512 बच्चों ने भाग लिया था।

झज्जर। स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एलए स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट लेकर परखी प्रतिभा

झज्जर। एलए स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। टेस्ट में जिले भर से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि टेस्ट का परिणाम सभी अभिभावकों तक पहुंचा दिया जाएगा तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया व प्रबंधक केएम डागर ने अभिभावकों को विद्यालय की उपलब्धियों व शिक्षा क्षेत्र में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी।

बहादुरगढ़। पहलवानों के हाथ मिलवाते रविंद्र छिल्लर व अन्य।

बराबरी पर छूटा मंजीत व संजय पहलवान में मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव बराही में श्री श्यामजी अखाड़ा समिति द्वारा वार्षिक कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। पहली कुश्ती मंजीत पहलवान और संजय पहलवान पलवल के बीच कराई गई। मंजीत और संजय पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटी। दोनों पहलवानों को पुरस्कृत किया गया।

पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर ने दंगल के प्रथम इनाम के लिए एक लाख रुपये की धनराशि आयोजन कमेटी को दान स्वरूप भेंट की। एक अन्य कुश्ती के लिए विपिन पहलवान अखाड़े में उतरे, लेकिन उनके सामने कोई पहलवान हाथ मिलाने नहीं आया। नियमों के अनुसार उन्हें भी विजेता घोषित कर इनाम प्रदान किया गया। दूसरी छुट्टी की कुश्ती अनिल बराही ने जीती। दंगल के दौरान रविंद्र छिल्लर बराही, इंद्रवेश महाराज (गढ़ी रिढाला), रोहतास गिरी महाराज, धर्मवीर पहलवान बामडोली, सरपंच मोहित छिल्लर, सुमित मुकुंदपुर, जितेंद्र बामडोली, देवेंद्र काला पहलवान व भूरू पहलवान आदि ने दोनों पहलवानों का उत्साह बढ़ाया।

रॉयल ग्रीन काउंटी में मनाया होली पर्व

रेजिडेंट्स के साथ चैनल पार्टनरों ने जमकर मस्ती की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

रविवार को रॉयल ग्रीन काउंटी में होली सेलिब्रेशन धूमधाम के साथ मनाया गया। रेजिडेंट्स के साथ ही चैनल पार्टनरों ने जमकर मस्ती की। एक दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर स्नेह और भाईचारे के त्योहार होली की शुभकामनाएं दी।

रॉयल ग्रीन रियल्टी के एमडी यशांक वासन और डायरेक्टर वरुण मखीजा ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि होली का पर्व बड़े-छोटे और ऊंच-नीच के सारे भेद दूर करता है। इस मौके पर कपिल कुच्छल, महेंद्र शर्मा, वीरेंद्र राणा, परविंदर दहिया, दीपक ढींगरा, नितिन, आदित्य, सौरभ, बलराम, अनुराग, गरिमा और गुड्डू आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन काउंटी में होली महोत्सव मनाते लोग। फोटो : हरिभूमि

सार्थक परिवार ने मनाया होली मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

स्वरचित रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर किया

- समाज में महिलाओं की अहमियत एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला

रविवार को सार्थक परिवार ने सेक्टर-9ए स्थित सार्थक पब्लिक लाइब्रेरी में धूमधाम से होली का त्योहार मनाया। सार्थक सदस्यों ने बच्चों समेत अपनी उपस्थिति दर्ज की। समिति अध्यक्ष नफे सिंह ने होली के त्योहार की बधाई देते हुए कहा कि हमेशा जिंदगी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सार्थकता की तरफ कदम बढ़ाते रहें। दूसरों को भी सार्थकता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करते रहें। उन्होंने स्वरचित रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आरके वशिष्ठ ने हरियाणवी रागनी सुनाकर आकर्षित किया। सुमेश कौशिक ने भी समाज में महिलाओं की अहमियत एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तुति दी। डॉ. एनके वत्स ने भी प्रस्तुति दी। सुदेश सार्थक ने भी होली पर अपनी रचना सुनाई।

बहादुरगढ़। होली मिलन समारोह में उपस्थित सार्थक समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में भाग लेने वाले जूपिटर स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

जूपिटर पब्लिक स्कूल में होली पर झूमे बच्चे

बहादुरगढ़। गांव रोहद में स्थित जूपिटर पब्लिक स्कूल में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कक्षा पहली व दूसरी के विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं तीसरी से आठवीं तक के बच्चों ने भी नृत्य और होलिका दहन की एकांकी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक राजकुमार रुहिल और प्रिंसिपल राजपाल सिंह ने छात्रों को होली की शुभकामनाएं दी। राष्ट्र व समाज हित में कार्य करने को प्रेरित किया।

कम्युनिटी सेंटर में एकाग्रता के साथ राजयोग का अभ्यास करवाया

- तीन दिवसीय राजयोग गहन तपस्या भट्ठी शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सेक्टर-6 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय राजयोग गहन तपस्या भट्ठी शिविर रविवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन का मुख्य आकर्षण संपूर्ण विश्व में शांति, प्रेम और पवित्रता के प्रकंपन फैलाना रहा।

सभी साधकों ने पूर्ण एकाग्रता के साथ राजयोग का अभ्यास किया। साधकों को अपने दिव्य स्वरूप का आह्वान करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक शक्ति से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बीके पूनम ने अष्ट शक्तियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हम परमपिता परमात्मा शिव से अपना संबंध जोड़ते हैं और उन्हें याद करते हैं, तो हमारे भीतर अष्ट शक्तियों का संचार होता है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी अपने अंदर दिव्य गुणों को धारण करें ताकि अपने भारत को पुनः स्वर्णिम भारत बनाया जा सके। चूंकि होली का पावन पर्व समीप है, इस अवसर पर बीके अंजलि ने सभी को होली की आध्यात्मिक शुभकामनाएं दीं। तिलक लगाकर ईश्वरीय स्मृति का अनुभव कराया। इस अवसर पर बीके विनीता, रेणु और अमृता ने भी सभी को होली की बधाई देते हुए जीवन में ज्ञान व गुणों के रंग भरने का संदेश दिया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारों के बीच बीके अंजलि। फोटो : हरिभूमि

श्रीश्याम ध्वजा यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, श्याम धनी के लगे जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

- श्रीश्याम भजनों पर नृत्य करते हुए नजर आए श्रद्धालु
- रथ पर सजाया गया बाबा का भव्य दरबार रहा आकर्षण का केंद्र

श्रीश्याम अखंड ज्योति मंदिर में रविवार को श्रीश्याम रथ एवं ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया। मंदिर के प्रधान आजाद दीवान ने बताया कि श्रीश्याम ध्वजा यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर बीकानेर चौक, सिलानी गेट, दिल्ली गेट, मेन बाजार, डाकखाना चौक व अंबेडकर चौक से होते हुए वापिस मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान जहां सैंकड़ों शहरवासियों ने रथ पर विराजमान बाबा के दिव्य रूप के दर्शन किए वहीं सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रीश्याम की ध्वजा यात्रा में भाग लिया। वे श्याम भजनों पर नृत्य करते हुए भी नजर आए। इस मौके पर हरिओम मुदगिल, भारत दीवान, श्याम श्रृंगार सेवक मनोज दीवान, तुषार दीवान, ब्रजमोहन कौशिक, सोमबीर अत्री, हेमंत, बालकृष्ण, कृष्ण पहलवान, हिमांशु पंडित सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। यात्रा के दौरान हाथों में श्रीश्याम ध्वजा थामे श्रद्धालु।

झज्जर। श्रीश्याम ध्वजा यात्रा में रथ पर लगा बाबा का भव्य दरबार।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

किड्ज शैशव ग्रुप ऑफ स्कूल के संस्थापक एडवोकेट आर्षव्रत शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

दिवंगत आर्षव्रत शास्त्री का फाइल फोटो

रविवार को प्रमुख शिक्षाविद, पूर्व संपादक भाजपा की बात एवं किड्ज शैशव ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक एडवोकेट आर्षव्रत शास्त्री की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में न्यायिक, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्राचीन गुरुकुल के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल योगार्थी व आचार्य शतक्रतु द्वारा हवन कराते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान विधायक कृष्णा गहलावत सहित अन्य भी उपस्थित रहे। बता दें कि आर्षव्रत शास्त्री का जन्म निजामपुर माजरा जिला सोनीपत में हुआ था। उनके बचपन का नाम जय सिंह था। शिक्षा के लिए जब वे गुरुकुल झज्जर आए तो आर्य समाज के प्रभाव में उनका नाम गुरुकुल संस्कृति के अनुरूप आर्षव्रत रखा गया। यहां शास्त्री की शिक्षा पूर्ण करने के बाद वे प्रदेश शिक्षा विभाग में संस्कृत अध्यापक के तौर पर नियुक्त हुए। इस दौरान वे शिक्षक आंदोलन में भी बढ़ चढ़ कर भाग लेते रहे तथा सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भी रहे। शिक्षकों के अधिकारों के संघर्ष को लेकर चलाए गए आंदोलन में उन्होंने तीन महीने जेल में भी बिताए। सेवानिवृत्ति के बाद वे सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने लगे। आरएसएस से जुड़ाव हुआ तथा विहिप के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रहे।

झज्जर। हवन के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा भाजपा के मुख पत्र के संपादक के रूप में दी सेवाएं

उन्होंने करीब दस वर्षों तक भाजपा की बात में हरियाणा भाजपा के मुख पत्र के संपादक के रूप में सेवाएं दीं। वे करीब नब्बे वर्ष के थे। दो पुत्रों में से बड़े पुत्र प्रवीर सिंह सेना में कैप्टन पद से सेवानिवृत्त हैं तथा छोटे पुत्र प्रवीण सिंह सेशन जज के तौर पर दिल्ली में कार्यरत हैं। बड़ी पुत्रवधू उषा गहलावत जहां किड्ज शैशव ग्रुप ऑफ का स्कूल्स का संचालन कर रही हैं वहीं छोटी पुत्रवधू गीताजंलि खेर दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। पोते एडवोकेट मानवेंद्र सिंह दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं और तीन पौत्रियां स्मृति, श्रुति व अनन्या हैं।

बच्चों को प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा पहली से 5वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ होली महोत्सव मनाया। प्रार्थना सभा के बाद विद्यार्थियों ने होली से जुड़े गीतों और कविताओं की प्रस्तुति दी। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगों के महत्व पर आधारित लघु नाटिका भी प्रस्तुत की। बच्चों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और प्रेम, भाईचारे व सद्भाव का संदेश दिया। प्रधानाचार्या डॉ. पूनम चौधरी ने बच्चों को होली के पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। बच्चों को प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करने और पर्यावरण की रक्षा करने का संदेश भी दिया।

बहादुरगढ़। होली की मस्ती में डूबे बाल विकास स्कूल के बच्चे। फोटो : हरिभूमि